प्रो. वी. के. सिंह
कुलपति

Prof. V. K. Singh
Vice-Chancellor

दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर-273 009 (उ.प्र.)

D.D.U. Gorakhpur University,
Gorakhpur-273009 (U.P.)

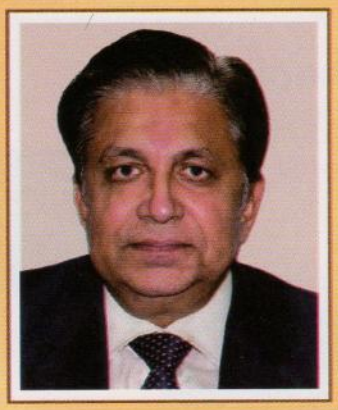

संदेश

वर्तमान समय में विज्ञान ने निःसन्देह सुख-समृद्धि के उत्तम साधन प्रदान किये हैं। भौतिकवादी सभ्यता ने मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया है। मानव के आहार-विहार, आचार-विचार एवं व्यवहार को भी विज्ञान ने परिवर्तित किया है। प्रत्यक्ष उपलब्धियों को तो सर्वाधिक मान्यता मिली है, किन्तु भौतिक तत्वों के मिलने से मानवीय सम्बन्धों की नींव डगमगा गयी है। मानवीय सम्बन्धों में प्रेम, सहयोग, उदारता, सहानुभूति, समर्पण एवं त्याग विकसित होने पर ही आपसी सौहार्द कायम हो सकेगा। इस दिशा में रोवर स्काउट एवं रेंजर गाइड आन्दोलन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रोवरिंग/रेंजरिंग के प्रशिक्षणों की गुणवत्ता को देखकर इसे पाठ्य सहगामी क्रियाओं के रूप में सम्मिलित किया गया है। इससे युवावर्ग के शारीरिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक अन्तःशक्तियों के विकास में आशातीत सफलता मिल रही है। यही नहीं रोवरिंग/रेंजरिंग अपने अच्छे विचारो एवं कार्यों से समाज, राष्ट्र एवं विश्व समुदाय को नई दिशा देने के लिए प्रकाशपुंज की भांति है जो अपने किरणों से सम्पूर्ण विश्व को आलोकित कर रहा है।

आशा ही नहीं मुझे पूर्ण विश्वास है कि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित सभी शिक्षण संस्थाओं के लिए यह 'दिग्दर्शिका' रोवरिंग/रेंजरिंग कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु मार्गदर्शन का कार्य करेगी। सभी यूनिट लीडर्स, रोवर्स एवं रेंजर्स आत्मविश्वास, पुरुषार्थ एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ निरन्तर आगे बढ़ें, यही मेरी शुभकामना है।

(प्रो. विजय कृष्ण सिंह)
कुलपति

☎ : 0551-2201577 (O), 2340458 (R), **Fax :** 0551-2330767 (O), 2340459 (R), **Email :** vcddugu@gmail.com